Subject :- Teaching of Social Science

V.Imp - Topic : पाठ योजना

:- सामाजिक अध्ययन शिक्षण मे पाठ-योजना

'पाठ योजना' दो शब्दो से मिलकर बना है - पाठ और योजना। अर्थात् इसका अर्थ है कि "पाठ को आयोजित करना"। अतएव पाठ योजना का अभिप्राय उस पूर्व निर्धारित योजना से है जिसके अनुसार शिक्षक नये ज्ञान को रीतियों एवं सहायक सामग्री के माध्यम से छात्रो के सामने एक निश्चित अवधि के अन्दर प्रस्तुत करता है।

योकम एवं सिम्पसन के अनुसार :- "शिक्षक अपनी पाठ्य सामग्री तथा अपने छात्रो के बारे मे जो कुछ भी जानता है, उन सब का प्रयोग पाठ-योजना मे किया जाना आवश्यक होता है।"

प्रो० ए०सी० बाइनिंग तथा डी०सी० बाइनिंग के अनुसार :- दैनिक पाठ योजना के निर्माण मे उद्देश्यो को परिभाषित करना, पाठ्य-वस्तु का चयन करना तथा उसे क्रमबद्ध रूप से प्रस्तुत करना और प्रस्तुतीकरण की विधियों का निर्माण करना प्रमुख है।

P.T.O.

Scanned with CamScanner

पाठ योजना की आवश्यकता (Need of Lesson Planning)

मरसेल ने पाठ योजना के तीन लाभ बताए हैं —

(1). पाठ योजना प्रत्येक पाठ को सर्वोत्तम ढंग से पढ़ाने का आश्वासन देती है।

(2). पाठ योजना अध्यापक को अपने शिक्षण कार्य को उत्तम प्रकार से करने में सफल बनाती है। अतः उसकी शिक्षण योग्यता में निरन्तर वृद्धि होती रहती है।

(3). पाठ योजना के दो महान लाभ हैं - यह उत्तम शिक्षण में योग देती है और उत्तम शिक्षक का निर्माण करती है।

पाठ योजना के लाभ

⇒ पाठ योजना के द्वारा पूर्व ज्ञान के आधार पर नवीन ज्ञान प्रस्तुत किया जाता है, जिससे पाठ में नवीनता एवं रोचकता आ जाती है। छात्रों को कठिन पाठ भी सरल लगने लगते हैं।

⇒ पाठ योजना के द्वारा छात्रों को ज्ञान क्रमबद्ध एवं व्यवस्थित रूप से प्राप्त होता है।

⇒ पाठ योजना के आधार पर शिक्षण प्रक्रिया में वस्तुतः छात्र एवं शिक्षक दोनों ही सक्रिय रूप से पाठ के विकास में भाग लेते हैं। जिससे कक्षा में नीरसता नहीं आने पाती है।

⇒ शिक्षक पाठ सम्बन्धी लक्ष्यों एवं प्राप्य प्रदेशों को दृष्टि में रखता है, और छात्रों को उनकी प्राप्ति हेतु प्रेरित करता है।

⇒ पाठ योजना से शिक्षक छात्रों की स्वक्रिया का अवसर प्रदान करता है जिससे उनके अनुभवों में वृद्धि होती है।

P.T.O.

Scanned with CamScanner

⇒ यह अध्यापक को अपने शिक्षण का मूल्यांकन करने मे सहायता देती है।

⇒ पाठ योजना अगले पाठो मे सुधार करने के लिए प्रेरित करती है।

⇒ पाठ योजना शिक्षक को अमूर्त वस्तुओ के शिक्षण मे सहायता देती है।

⇒ पाठ योजना शिक्षक को उत्तम विधि चुनने मे सहायता प्रदान करती है।

⇒ यह व्यक्तिगत विभिन्नता के आधार पर कक्षा की क्रियाओ की व्यवस्था करने मे सहायक सिद्ध होती है।

⇒ पाठ-योजना के आधार पर शिक्षण करने से छात्रो द्वारा अर्जित किया हुआ ज्ञान स्थायी होता है।

⇒ पाठ योजना छात्राध्यापको को वैज्ञानिक ढंग से शिक्षण का कार्य सिखाने मे सहायता करती है।

* पाठ योजना का महत्व *

1. लक्ष्यो की स्पष्टता को निश्चित करने मे सहायक है।
2. शिक्षण विधियो का चयन करने मे सहायक होता है।
3. शिक्षण-सामग्री की व्यवस्था मे सहायक है।
4. समय एवं शक्ति की बचत मे सहायक है।
5. आत्म-विश्वास की वृद्धि मे सहायक होता है।
6. पाठ्यक्रम को समय पर समाप्त करने मे सहायक होता है।

Thankyou

by
mr. Parveen Raj
Asst. Prof.
B.R.C.D. (SRE)

Scanned with CamScanner